2018

HINDI

(Major)

Paper : 4.1

(Chhayavad Yugin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पठित पाठ के आधार पर पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'साकेत' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी को 'पद्मभूषण' की उपाधि कब मिली थी?

(ग) 'यामा' शीर्षक काव्य-संग्रह के कवि का नाम क्या है?

(घ) 'कामायनी' का प्रकाशन सन् लिखिए।

(ङ) सुमित्रानंदन पंत को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?

(च) यशोधरा कौन थी?

(छ) 'नौका-विहार' शीर्षक कविता की रचना कहाँ हुई थी?

(ज) 'कैदी और कोकिला' शीर्षक कविता की रचना कवि माखनलाल चतुर्वेदी ने कहाँ की थी?

(झ) 'कुरुक्षेत्र' शीर्षक काव्य-ग्रंथ के कवि का नामोल्लेख कीजिए।

(ञ) 'नारी' शीर्षक कविता किस काव्य-ग्रंथ से उद्धृत है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) महादेवी वर्मा की कविताओं की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) दिनकर की पठित कविता 'हिमालय' की भाव-भूमि क्या है?

(ग) "काल का अकरुण भृकुटि-विलास;
तुम्हारा ही परिहास;
विश्व का अश्रुपूर्ण इतिहास
तुम्हारा ही इतिहास!"

—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'जागरण गीत' से आप क्या समझते हैं?

(ङ) हरिवंश राय बच्चन की कविताओं की दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'पुष्प की अभिलाषा' में कौन-सी राष्ट्रीय-चेतना का चित्रण हुआ है, लिखिए।

(ख) "यह मंदिर का द्वीप, इसे नीरव जलने दो"—का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'पराजय गीत' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'कामायनी' महाकाव्य का उद्देश्य क्या है?

(ङ) हरिऔध के जीवन और साहित्य-कर्म पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की साहित्यिक देन पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) रे मन आज परीक्षा तेरी।
विनती करती हूँ मैं तुझसे, बात न बिगड़े मेरी

अथवा

आँखें अलियों-सी
किस मधु की गलियों में फँसी
बन्द कर पाँखें
पी रही है मधु मौन
अथवा सोयी कमल-कोरकों में?
बन्द हो रहा गुञ्जार—

(ख) बुद्धि, मनीषा, मति, आशा, चिन्ता तेरे हैं कितने नाम।
अरी पाप है तू, जा, चल जा, यहाँ नहीं कुछ तेरा काम॥

अथवा

साकार दिव्य गौरव विराट,
पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल।
मेरी जननी के हिम किरीट!
मेरे भारत के दिव्य भाल।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) पठित कविता के आधार पर माखनलाल चतुर्वेदी के राष्ट्र-प्रेम और आत्मोत्सर्ग की भावना की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' शीर्षक कविता के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'चिन्ता सर्ग' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य-प्रतिभा पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

★★★